मत रोको डगर मेरे श्याम लिरिक्स

मत रोको डगर मेरे श्याम ...(2)
आज मैं तो आयी दही बेचैन को ...(2)
कुंवर कलाई छेड़ो न यूँ हमको ..
क्या कहेगा ये सारा गाव..

बोलो क्या है जी उसका नाम ...(2)
दही के बहाने आयी जिसे मिलाने को
मन मैं छुपाये गोरी प्रीत की लगन को
जिसके मन मैं हैं तेरा धाम ..

मत रोको डगर मेरे श्याम ..
बोलो क्या है जी उसका नाम ..

हो .. मैं एक ब्रज की नर नवेली
कहते सभी बृषभान की लाली

हो. .. दही बेचन तू सांझ ढले क्यों
आयी रे गुजरिया मेरी गाली
अच्छा ये बाताओ गोरी दही वाली कोई चोरी
ऐसे सज धज के जो आये
तुम्हे क्यों बातये भला
है कोई छबीला जिसे मेरे रंग की ही दही भाये
मोहे ढूंढे जो मन को था

मत रोको डगर मेरे श्याम ..
बोलो क्या है जी उसका नाम ..

हो .. हम भी हैं दही माखन के रसिया
कहते हमें सब सावरिया

हो ...सवाल तन हैं सवाल मन भी
फिर भी मैं तेरी बावरिया

आते जाते रोके कहे रस्ते मैं
रोके कहे सूध बुध क्यों तू ने चुराई
अच्छा ... भोली भली राधा रानी
मेरी भी यही कहानी मुरली मैं तू ही है समायी
भेद खुल ही गया है राआआआम ...

मत रोको डगर मेरे श्याम ... (2)
आजमाएं तो आयी दही बेचैन को ... (2)
कुंवर कलाई छेड़ो न यूँ हमको ..
क्या कहेगा ये सारा गाव ..

बोलो क्या है जी उसका नाम ... (2)
दही के बहाने आयी जिसे मिलान को
मन मैं छुपाये गोरी प्रीत की लगन को
जिसके मन मैं हैं तेरा धाम ..

मत रोको डगर मेरे श्याम ...
बोलो क्या है जी उसका नाम ...

https://allbhajanlyrics.com/mat-roko-dagar-mere-shyam-lyrics/